सभा की गरिमा का हनन किए जाने की घटनाओं के मामले में कड़े कदम उठाए जाने की जरूरत है : लोक सभा अध्यक्ष

...

सभा की कार्यवाही में नियोजित व्यवधान लोकतंत्र की भावना के लिए हानिकारक है: लोक सभा अध्यक्ष

...

विधायी निकायों में अनुशासन और शालीनता में लगातार गिरावट गंभीर चिंता का विषय है: लोक सभा अध्यक्ष

...

विधानमंडलों में अनुशासन और शालीनता की कमी और सदस्यों के अमर्यादित आचरण से विधानमंडलों की प्रतिष्ठा कम होती है : लोक सभा अध्यक्ष

...

जन प्रतिनिधियों को सभा में रचनात्मक और सार्थक चर्चा को बढ़ावा देना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

जन प्रतिनिधि देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं के अभिरक्षक हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

डिजिटलीकरण में भारत की संसद विश्व में अग्रणी है : लोक सभा अध्यक्ष

...

श्री बिरला और उनका आदर्श आचरण जन प्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायी है: मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश

...

नवनिर्वाचित विधायकों के प्रबोधन से उन्हें विधायक के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन में मदद मिलेगी : मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश

...

विधायकों को पूरी लगन के साथ लोगों की सेवा करनी चाहिए: अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधान सभा

...

विधायकों को सभा की कार्यवाही को उचित महत्व देना चाहिए और सभी सत्रों में पूरी निष्ठा के साथ भाग लेना चाहिए: अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधान सभा

...

लोक सभा अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया

...

भोपाल कैम्प कार्यालय; 9 जनवरी, 2024: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज भोपाल में विधान सभा परिसर में मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्यों के लिए आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बाद में श्री बिरला ने मध्य प्रदेश विधान सभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत की।

मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री, डॉ. मोहन यादव; मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष, श्री नरेंद्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश के मंत्री और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने विधायी निकायों में अनुशासन और शालीनता में लगातार आ रही गिरावट पर चिंता व्यक्त की। गंभीर बहस और चर्चा के मंच के रूप में विधानमंडलों के महत्व पर ज़ोर देते हुए, श्री बिरला ने कहा कि सभागृह में कुछ हद तक गर्मागर्मी, शोर-शराबा और हंगामा होना स्वाभाविक है, लेकिन अक्सर गर्मागर्म बहस से सभा में अशांति और अव्यवस्था होने से अराजकता पैदा हो जाती है जिससे समय और संसाधनों की हानि होती है और लोगों में विधानमंडलों की विश्वसनीयता कम होती है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि नियोजित व्यवधान लोकतंत्र की भावना के लिए हानिकारक है, श्री बिरला ने कहा कि जब सभा की कार्यवाही में सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किए जाते हैं, तो ऐसे में सभा की गरिमा का हनन किए जाने की घटनाओं के मामले में कड़े कदम उठाने पड़ते हैं। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि मतभेद होने पर सभा के कामकाज में बाधा नहीं आने देनी चाहिए।

श्री बिरला ने कहा कि यह सुनिश्चित करना प्रत्येक विधायक की महती जिम्मेदारी है कि विधायी समय का उपयोग अधिकाधिक अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ और सार्थक और उत्पादक बहस के लिए ही किया जाए। श्री बिरला ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में व्यवधान और हंगामे के कारण सभा के स्थगन की बढ़ती घटनाओं के कारण विधानमंडलों की बैठकों की संख्या के साथ-साथ उत्पादकता में भी कमी आई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विधानमंडल रचनात्मक, सार्थक और गहन चर्चा और संवाद के जीवंत केन्द्रों के रूप में कार्य करें और सभा के समय का उपयोग जनता के कल्याण के लिए हो । श्री बिरला ने यह भी कहा कि संसद और विधानसभाओं में निरंतर अव्यवस्था और व्यवधान की स्थिति से ये संस्थाएं निष्क्रिय हो जाती हैं, जिससे वे लोगों की समस्याओं का हल करने में असमर्थ हो जाती हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि संसद की गरिमा बनाए रखने के लिए दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं – स्वयं व्यवस्था की और इसे चलाने वाले लोगों की सत्यनिष्ठा, श्री बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में अनुशासन और शालीनता की कमी और सदस्यों के अमर्यादित आचरण से विधानमंडल की गरिमा कम होती है जिसका लोकतंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि विधानमंडलों के कामकाज में बाधा डालना और उनकी छवि को धूमिल करना करना लोकतांत्रिक प्रणाली के भविष्य को खतरे में डालने के समान है।

यह टिप्पणी करते हुए कि प्रत्येक जन-प्रतिनिधि राष्ट्र की आशाओं और आकांक्षाओं का अभिरक्षक है, श्री बिरला ने कहा कि जनता अपने बेहतर भविष्य के लिए जन-प्रतिनिधियों पर बहुत भरोसा करती है। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे लोगों की मांगों और अपेक्षाओं को रचनात्मक तरीके से और पूरे मनोवेग से उठाएं, न कि सभा में व्यवधान करके या फिर धरना या सत्याग्रह करके। श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि विधानमंडलों में विधायकों का आचरण हमेशा उच्च गुणवत्ता वाला, अनुशासित और शालीनता से युक्त होना चाहिए, जिसके लिए सभी हितधारकों द्वारा गंभीर प्रयासो किए जाने की आवश्यकता है।

श्री बिरला ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता से नवनिर्वाचित विधायकों को मिले जनादेश से उन्हें लोगों, विशेष रूप से महिलाओं और कमजोर वर्गों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए रचनात्मक प्रयास करने की जिम्मेदारी मिली है। इसलिए उनकी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को पूरा करना और उनके सपनों को साकार करना विधायकों की जिम्मेदारी है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि विधायकों और जन प्रतिनिधियों के रूप में अपनी भूमिका के साथ पूर्ण न्याय करने के लिए, उन्हें सभा के नियमों और प्रक्रियाओं की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि नियमों को उचित

रूप से समझने से वे प्रभावी विधायक बनेंगे। संसद को पेपरलेस बनाने की दिशा में की गई पहल का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत की संसद डिजिटलीकरण में दुनिया में अग्रणी है।

श्री बिरला ने प्रबोधन कार्यक्रम के आयोजन के लिए मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष, श्री नरेंद्र सिंह तोमर को धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विधान सभा के सभी सदस्यों, विशेष रूप से पहली बार निर्वाचित 69 सदस्यों, जो विधान सभा की कुल संख्या का 30 प्रतिशत हैं, को इस कार्यक्रम से लाभ होगा।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री, डॉ. मोहन यादव ने श्री बिरला का स्वागत किया और कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों के प्रबोधन के लिए श्री बिरला द्वारा की गई पहल जन प्रतिनिधियों के लिए लाभकारी होगी क्योंकि वे आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। डॉ. यादव ने इस बात का उल्लेख भी किया कि महान ऋषि पाणिनि ने आजीवन ज्ञान प्राप्त करने और सीखने के प्रति खुद को समर्पित करके प्रशिक्षण का महत्व दुनिया को समझाया था।

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर, भारत की संसद का उल्लेख करते हुए, डॉ. यादव ने श्री बिरला द्वारा लोक सभा के उत्कृष्ट संचालन की सराहना करते हुए कहा कि लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला की गहन समझ और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से जन प्रतिनिधि बहुत कुछ सीख सकते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि श्री बिरला और उनका आदर्श आचरण जन प्रतिनिधियों के लिए प्रेरणादायी है। भारत के प्रधान मंत्री का पद ग्रहण करने के बाद पहली बार प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में प्रवेश करने के बारे में बात करते हुए, डॉ. यादव ने कहा कि संसद को नमन करके उसे सम्मान देने का पीएम मोदी का भाव जन प्रतिनिधियों को देश और देशवासियों के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष, श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोक सभा अध्यक्ष, श्री बिरला का स्वागत करते हुए उन्हें एक आदर्श पीठासीन अधिकारी बताया, जो देश भर के जन प्रतिनिधियों को प्रेरणा देते हैं । श्री तोमर ने नवनिर्वाचित सदस्यों से स्वयं को जन सेवा के प्रति समर्पित करने और सभी आवश्यक नियमों, विनियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया, जिससे उन्हें पूरी क्षमता के साथ विधायक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद मिलेगी । श्री तोमर ने कहा कि यदि विधायक सभी अपेक्षित नियमों और प्रक्रियाओं से सुपरिचित होंगे, तो वे अपने

मतदाताओं और आम जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सक्षम होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायकों को सभा की कार्यवाही को उचित महत्व देना चाहिए और सभी सत्रों में पूरी निष्ठा के साथ भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष, श्री उमंग सिंघार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मध्य प्रदेश सरकार के संसदीय कार्य मंत्री, श्री कैलाश विजयवर्गीय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम में लोक सभा महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह भी शामिल हुए।

मध्य प्रदेश विधानमंडल के सदस्यों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतन्त्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा मध्य प्रदेश विधान सभा सचिवालय के सहयोग से किया जा रहा है।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, वरिष्ठ विधायक और विषय विशेषज्ञ कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे, जैसे 'एक प्रभावी विधायक कैसे बनें', 'संसदीय शिष्टाचार और आचरण, बजटीय प्रक्रियाएं और संसद/विधानमंडलों में वित्तीय कार्य' संसदीय विशेषाधिकार और आचार, 'प्रश्नकाल, अल्पकालीन चर्चा, स्थगन, ध्यानाकर्षण, अविलंबनीय लोक महत्व के मामलों की सूचनाओं का महत्व और उपयोग; और 'संसदीय प्रणाली में समितियों की भूमिका और कार्यप्रणाली'।